दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 84 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, मंगलवार, 23 मई 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com | e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्‍वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. :- UTTHIN/2009/27592
मूल्य- 2 रु.

प्रेस एक्ट में संशोधन कर डिजिटल मीडिया...
कर्नाटक विजय विपक्षी एकता में बाधा

द्वितीय केदार भगवान मदमहेश्वर मंदिर के कपाट खुले

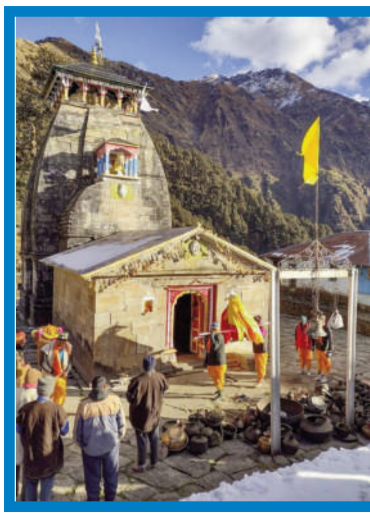

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

रूद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट खुल गए हैं। द्वितीय केदार में भगवान शंकर के मध्य भाग यानी नाभि की पूजा होती है। इससे पहले कल यानी रविवार को द्वितीय केदार भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली ने गौण्डार गांव में अन्तिम रात्रि प्रवास किया था। आज सुबह भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली ने ब्रह्म बेला में गौण्डार गांव से किया प्रस्थान। विभिन्न यात्रा पड़ावों पर भक्तों को आशीर्वाद देते हुए दोपहर 11.30 बजे के करीब भगवान की डोली मदमहेश्वर धाम पहुंची। भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली के धाम पहुंचने पर मदमहेश्वर के कपाट वेद ऋचाओं के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में ग्रीष्मकाल के लिए खोल दिये गए।

कपाट खुलने के पावन समय और डोली आगमन को लेकर मदमहेश्वर धाम को कई कुंतल फूलों से सजाया गया था। इसके साथ ही तीर्थ यात्रियों के मदमहेश्वर घाटी आवागमन से विभिन्न यात्रा पड़ावों पर रौनक लौटने लग गयी है।

मदमहेश्वर धाम उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। यहां जाने के लिए रांसी तक मोटर मार्ग है। उखीमठ से आप रांसी वाहन से पहुंच सकते हैं. मदमहेश्वर जाने के लिए रांसी मोटर मार्ग से जुड़ा रुद्रप्रयाग जिले का आखिरी गांव है। रांसी से मदमहेश्वर मंदिर जाने के लिए करीब 23 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। मदमहेश्वर का पैदल मार्ग चढ़ाई वाला होने के साथ सुरम्य है। मदमहेश्वर के पैदल मार्ग में गोंदहार, मैखम्बा चट्टी समेत अनेक छोटे गांव मिलते हैं।

पीएम मोदी बोले- रूस पर भारत के रुख का ऑस्ट्रेलिया से रिश्तों पर असर नहीं

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे पीएम मोदी, एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत

कैनेबरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने करीब हफ्तेभर के विदेश दौरे के तहत सोमवार (22 मई) को पापुआ न्यू गिनी से ऑस्ट्रेलिया के सिडनी पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया. पीएम मोदी के सिडनी पहुंचने पर भारत के लिए ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओ'फारेल (Barry O'Farrell) ने उनका स्वागत किया. पीएम मोदी के स्वागत में भारतीय समुदाय के लोगों ने भी हिस्सा लिया. इस मौके पर उन्होंने 'वंदे मातरम' के नारे भी लगाए।

जापान से शुरु हुई पीएम मोदी की तीन देशों की यात्रा का यह तीसरा और आखिरी पड़ाव है. पापुआ न्यू गिनी में पीएम मोदी ने पहले हिंद-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (FIPIC) शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी की और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रशांत द्वीप देशों के नेताओं से मुलाकात की. प्रधानमंत्री मोदी 22 से 24 मई तक ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर रहेंगे. सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। यहां उन्होंने एक लोकल मीडिया रिपोर्ट को दिए इंटरव्यू में बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने संबंधों को अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं। हम कई समुद्री चुनौती का एक साथ सामना करना चाहते हैं। लोकल मीडिया के अनुसार, पीएम मोदी ने कहा कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र कई सारी समस्याओं से जूझ रहा है। जैसे जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, समुद्री डकैती आदि। भारत का मानना है कि इन समस्याओं को दोनों देशों के साझा प्रयासों से हल किया जा सकता है। पीएम ने कहा कि मैं आसानी से संतुष्ट हो जाने वाला व्यक्ति नहीं हूं। पीएम मोदी ने कहा कि जब मैं अल्बानीज से सिडनी में मुलाकात करुंगा, तब हम अपने रिश्तों को कैसे मजबूत करें, इस पर चर्चा कर सकते हैं। नए क्षेत्रों के विस्तार और विकास पर जोर दे सकते हैं। दोनों देशों की नौसेनाएं साथ में युद्धाभ्यास करती हैं। पीएम ने उस भ्रम को भी खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया जाता था कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस की आलोचना करने से भारत ने इनकार कर दिया था। इससे हम दोनों के रिश्ते खराब नहीं होंगे।

द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है

पीएम मोदी ने कहा कि अच्छे दोस्त होने के कारण हम दोनों देश स्वतंत्र रूप से चर्चा कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया हमारी स्थिति को समझता है। किसी का समर्थन या किसी की आलोचना करने से हम दोनों देशों के रिश्ते खराब नहीं होंगे। हमें एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझना होगा और उसकी सराहना करनी होगी। हमने रक्षा, शिक्षा, जल, खेल, विज्ञान, स्वास्थ्य, संस्कृति सहित अन्य क्षेत्रों में प्रगति की है। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासी पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हैं। सोमवार को भारतीय मूल के पार्षद समीर पांडे सिडनी के 'सिटी ऑफ पररामट्टा काउंसिल' के नए मेयर चुन लिए गए हैं। जिस दिन प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया पहुंचे, उसी दिन समीर पांडे ने भी चुनाव जीत लिया। पांडे पहली बार 2017 में परिषद के लिए चुने गए थे। 2022 में भारतीय उपमहाद्वीप से शहर के पहले उपमहापौर बने थे। पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी की यात्रा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं. मोदी ने पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे के साथ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की. पीएम ने वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंद-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (FIPIC) शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी की. इससे पहले 20 से 21 मई तक पीएम मोदी ने जापान के हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

दिल्ली से देहरादून तक चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

नयी दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन से देहरादून के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस गुरुवार से शुरू होने जा रही है जो 292 किलोमीटर की दूरी साढ़े चार घंटे में तय करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 मई को इस ट्रेन का देहरादून से उद्घाटन करने की संभावना है। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

आठ कोच वाली छोटी वंदे भारत ट्रेन देहरादून से सुबह सात बजे रवाना होकर 11.30 बजे आनंद विहार पहुंचेगी जबकि वापसी में यह गाड़ी शाम पांच बजकर 50 मिनट पर रवाना हो कर रात दस बज कर 20 मिनट पर देहरादून पहुंचेगी। यह गाड़ी बुधवार को छोड़ कर सप्ताह के छह दिन चलेगी और मार्ग में हरिद्वार, टपरी जंक्शन, मेरठ सिटी स्टेशनों पर रुकेगी। दोनों शहरों के बीच 292 किलोमीटर की दूरी साढ़े चार घंटे में तय करेगी। गाड़ी की औसत गति 64.84 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी।

संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को करना चाहिए : खरगे

नयी दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों कराए जाने की मांग करते हुए सोमवार को कहा कि अगर ऐसा होता है तो इससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दिखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि 'भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सरकार' में राष्ट्रपति का पद महज प्रतीकात्मक बनकर रह गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा था कि संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं, बल्कि राष्ट्रपति मुर्मू को करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। खरगे ने ट्वीट किया, ' ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने दलित और आदिवासी समुदायों से राष्ट्रपति इसलिए चुना ताकि राजनीतिक लाभ लिया जा सके।

पेट्रोल पंपों पर नकद बिक्री बढ़ी, ग्राहक दे रहे हैं 2,000 रुपये के नोट

नयी दिल्ली, (भाषा)। पेट्रोल पंपों पर नकद देकर ईंधन खरीदने में 2,000 रुपये के नोटों का इस्तेमाल 90 प्रतिशत तक बढ़ गया है। बड़ी संख्या में ग्राहक 2,000 रुपये के नोट चलाने के लिए पेट्रोल पंपों पर जा रहे हैं। पेट्रोल पंप डीलरों ने कहा कि 2,000 रुपये के नोट को वापस लेने की शुक्रवार को अचानक हुई घोषणा से पहले नकद बिक्री केवल 10 प्रतिशत थी, लेकिन अब ग्राहक 100-200 रुपये की छोटी खरीदारी करने के लिए भी 2,000 रुपये के नोट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वजह से पेट्रोल पंपों पर 100 रुपये और 500 रुपये के नोटों की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अब रिजर्व बैंक से अनुरोध किया है कि वह छोटे मूल्यवर्ग के पर्याप्त नोट उपलब्ध कराने के लिए बैंकों को निर्देश दे। ग्राहकों को सुचारू रूप से सेवाएं देने के लिए ऐसा करना जरूरी है। ऑल इंडिया पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय बंसल ने एक बयान में कहा, "ज्यादातर ग्राहक 100-200 रुपये की छोटी खरीदारी के लिए भी 2,000 रुपये के नोटों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

यह नोटबंदी नहीं है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपए का 'गुलाबी नोट' बंद कर दिया है। भविष्य में यह नोट चलन में नहीं होगा। अलबत्ता 30 सितंबर, 2023 तक देशवासी बैंकों में जाकर इस नोट को बदलवा सकते हैं अथवा अपने खाते में जमा कर सकते हैं। एक बार में 2000 रुपए के 10 नोट, यानी 20,000 रुपए, ही बदलवाए जा सकेंगे। खाते में कितनी भी राशि जमा की जा सकेगी। सिर्फ 'केवाईसी' की औपचारिकता पूरी करनी होगी। 'गुलाबी नोट' से जुड़ी बैंकों की प्रक्रिया 23 मई से शुरू होगी। फिलहाल सितंबर के बाद भी 2000 का नोट 'मान्य' होगा, ऐसा आरबीआई के शीर्ष अधिकारियों का कहना है। यह नोटबंदी इसलिए नहीं है, क्योंकि हमारे देश की करीब 10.8 फीसदी मुद्रा ही 2000 के नोट के रूप में है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने 8 नवम्बर, 2016 की रात्रि 8 बजे नोटबंदी की घोषणा की थी और रात्रि 12 बजे से ही 500 और 1000 रुपए के नोट 'कागज का टुकड़ा' हो गए थे, तब 86 फीसदी से अधिक मुद्रा के चलन पर असर पड़ा था। हालांकि तब भी 100, 50, 20 और 10 रुपए के नोट चलन में थे। फिर भी नकदी के संकट की भरपाई के लिए 2000 रुपए का नोट शुरू किया गया था। आरबीआई अब स्पष्ट कर रहा है कि 2000 का नोट 'अस्थायी बंदोबस्त' था। केंद्रीय बैंक ने बहुत पहले 'गुलाबी नोट' को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लिहाजा 2018-19 के बाद एक भी 'गुलाबी नोट' नहीं छापा गया। बीती मार्च, 2023 में 2000 के 181 करोड़ नोट ही चलन में बचे थे, जिनका कुल मूल्य 3.62 लाख करोड़ रुपए बनता है। देश की करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में यह राशि नगण्य है।

बहरहाल नोटबंदी या नोटबदली आरबीआई के अधिकार-क्षेत्र की प्रक्रिया है। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 2013 में कुछ नोटों की सीरिज वापस ले ली गई थी। कोई हंगामा नहीं मचा। कोई सियासी दुष्प्रचार नहीं किया गया। अब तो प्रधानमंत्री मोदी की पढ़ाई पर सवाल किए जा रहे हैं। केजरीवाल और उनकी पार्टी को ज्यादा ही चिंता है। वे इसे 'राष्ट्रीय संकट' करार देने के मूड में हैं। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री चिदंबरम ने कहा है कि मूर्खता छिपाने के लिए यह 'गुलाबी नोट' लाया गया था। नोटबंदी का समग्र मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा। न्यायिक पीठ ने न तो इसे 'अवैध' करार दिया और न ही सरकार के आर्थिक निर्णय में कोई हस्तक्षेप किया। जो दल और नेता नोटबंदी को बेहद असंवैधानिक मान रहे थे, उन्हें सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद खामोश होना पड़ा। यह सवाल जिज्ञासा के स्तर पर जरूर किया जाना चाहिए कि नवम्बर, 2016 में 2000 रुपए का नोट लाया गया और 2018-19 के बाद एक भी 'गुलाबी नोट' छापा नहीं गया। आरबीआई ने इस नोट को समेटना शुरू कर दिया। यह नोट एटीएम से भी नहीं निकलता है। यह हमारा निजी अनुभव भी रहा है। आम आदमी बहुत कम इस्तेमाल करता रहा है। जांच एजेंसियों की ऐसी रपटें सामने आती रही हैं कि काला धन, हवाला आदि के छापों में जो नकदी बरामद किया गया है, उनमें 95 फीसदी 2000 और 500 रुपए के नोट ही होते हैं। बीते 6 साल में केंद्रीय बैंक ने 102 करोड़ रुपए मूल्य के 'गुलाबी नोट' नष्ट किए हैं। क्या यह नोट इतना 'अल्पकालिक' था ? क्या बड़े भ्रष्टाचार, जमाखोरी, आतंकवाद की फंडिंग आदि के लिए ही यह नोट कारगर रहा ? चूंकि 2000 का नोट बाजार से वापस लेने का निर्णय लिया गया है, लिहाजा उसके स्थान पर 500 और 200 रुपए के अधिक नोट बैंक ने छाप दिए होंगे ! आरबीआई ने 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत 2000 का नोट बंद किया है।

कर्नाटक विजय विपक्षी एकता में बाधा

योगेंद्र योगी

यह निश्चित है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों की शर्तें किसी भी सूरत में मंजूर नहीं होंगी। कांग्रेस ऐसा करके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी नहीं मारेगी। कांग्रेस का राजनीतिक नेटवर्क पूरे देश में है। ऐसे में जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सत्ता है, उनमें भी सीटों पर बंटवारा किए जाने पर ही कांग्रेस का विपक्षी दलों से गठबंधन संभव है। जबकि विपक्षी दल चाहते हैं कि जिन राज्यों में उनका संगठन नाममात्र का है और कांग्रेस वहां प्रभावी भूमिका में है, कांग्रेस सिर्फ वहीं तक सीमित रहे। यदि विपक्षी दलों की यह दलील कांग्रेस को स्वीकार होती तो कर्नाटक में भी देवेगौड़ा की पार्टी जनता दल से समझौता करती। क्योंकि कांग्रेस ने करीब दो दशक बाद सत्ता में वापसी की है, इसलिए वह विपक्षी दलों की एकता के लिए अपनी कुर्बानी किसी भी हालत में नहीं देगी। यह भी निश्चित है कि क्षेत्रीय दलों के प्रभाव वाले राज्यों में कांग्रेस के प्रत्याशी खड़े होने से वोटों का बंटवारा होगा।

कर्नाटक के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देकर जोरदार झटका दे चुकी कांग्रेस से विपक्षी दल भी सतर्क हो गए हैं। विपक्षी दलों की एकता में कांग्रेस की कर्नाटक में हुई प्रचंड जीत बाधा बन गई है। पहले हिमाचल प्रदेश और उसके बाद कर्नाटक में सत्ता में वापसी से कांग्रेस जिस तरह से नए सिरे से उठ खड़ी हुई है, उससे न सिर्फ भाजपा भौंचक्की है, बल्कि विपक्षी एकता की कवायद करने वाले गैर भाजपा दलों मे खलबली मची हुई है। कांग्रेस की जीत का यह सिलसिला इस बात के संकेत भी हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कोई बड़ा कारनामा करने की फिराक में है। यही वजह है कि कुछ दिनों पहले तक कांग्रेस को साथ लेने की कवायद करने वाले क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने राज्यों में कांग्रेस से ही खतरा मंडराता हुआ नजर आ रहा है। विपक्षी दलों को दरअसल दोहरा डर सता रहा है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के तौर पर भाजपा पहले से ही मौजूद है किन्तु भाजपा विरोधी के तौर पर कांग्रेस दूसरा बड़ा खतरा बन गई है। भाजपा चूंकि सभी विपक्षी दलों की खुले तौर पर एक नम्बर की प्रतिद्वंद्वी है, इसलिए उसके नुकसान-फायदों और ताकत का अंदाजा सभी को है, किन्तु कांग्रेस ने लंबे समय बाद सत्ता में जिस तरह जोरदार वापसी की है, उससे क्षेत्रीय दलों के समक्ष नई परेशानी खड़ी हो गई है।

विपक्षी दलों के कर्ताधर्ताओं को इस बात का अंदाजा भी बखूबी है कि कांग्रेस को साथ लिए बगैर विपक्षी एकता का ख्वाब धरातल पर नहीं उतर सकता। विपक्षी दल कांग्रेस को साथ लेना तो चाहते हैं, किन्तु सतर्कता बरतते हुए समान दूरी बनाए रख कर। यही वजह है कि पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सुर बदल गए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के विपक्षी एकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की पुनर्समीक्षा करनी पड़ी है। ममता बनर्जी कांग्रेस को विपक्षी एकता में शामिल करने को बेशक राजी हो गई हों, किन्तु उससे समान दूरी बनाए रखने पर भी जोर दे रही हैं। ममता ने जो फार्मूला दिया है उसके तहत कहा कि वे कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते वह पश्चिम बंगाल में उनका समर्थन करे। उन्होंने कहा, 'जहां भी कांग्रेस अपनी-अपनी 200 सीटों पर मजबूत है, वह वहीं चुनाव लड़े। हम उनका समर्थन करेंगे, लेकिन उन्हें दूसरे राज्यों में प्रभावी क्षेत्रीय दलों का भी समर्थन करना होगा।'

ममता बनर्जी का बयान यह साफ इशारा करता है कि कांग्रेस उन राज्यों में सीटों के लिए ज्यादा न सोचें, जहां क्षेत्रीय दल मजबूत हैं। ममता बनर्जी इसके जरिए बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव, झारखंड में हेमंत सोरेन, पंजाब में अरविंद केजरीवाल, ओडिशा में नवीन पटनायक, तमिलनाडु में एमके स्टालिन और तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। ममता का प्रयास है कि सब मिल कर कांग्रेस पर इस तरह का दबाव बनाएं ताकि उनकी सत्ता पर आंच न आए। दरअसल ममता बनर्जी चाहती हैं कि कांग्रेस लोकसभा की 543 में से सिर्फ 200 सीटों के आसपास ही चुनाव लड़े और बाकी सीटों पर अलग-अलग राज्यों में जो भी क्षेत्रीय दल मजबूत स्थिति में हैं, कांग्रेस उनको समर्थन दे। विपक्षी दलों की इस कवायद से कांग्रेस ऐसा करके सत्ता के अपने रास्ते कभी भी बंद नहीं करना चाहेगी। गौरतलब है कि विपक्षी एकता की कवायद की शुरुआत में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में शामिल करने से साफ इंकार कर दिया था। कर्नाटक की जीत के बाद अखिलेश यादव के सुर भी बदल गए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के दिए बयान का समर्थन किया है। अखिलेश ने कहा है कि जो मजबूत हो, उसे आगे कर चुनाव लड़ा जाए। बिहार में नीतीश कुमार और तेलंगाना में केसीआर सहित सभी दल यही चाहते हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि ममता बनर्जी हों या अखिलेश यादव सहित दूसरे विपक्षी नेता, कांग्रेस को सशर्त विपक्षी एकता में शामिल करने की दलील तो दे रहे हैं किन्तु कांग्रेस क्या चाहती है, यह किसी ने जानने का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी के फॉर्मूले को सिरे से खारिज कर दिया। इससे साफ जाहिर है कि कर्नाटक चुनाव के बाद जीत के रथ पर सवार कांग्रेस नहीं चाहती कि उसे क्षेत्रीय दलों से सीटों के तालमेल में घाटे का सौदा करने पड़े।

उत्तराखंड प्रहरी

कविता

विकट समस्या जाम की...

इन दिनों शहर की सड़कों पर,वाहनों की संख्या अधिक हो गई।
तीर्थ के नाम पर जहां देखो,वाहनों की जमा भारी भीड़ हो गई।।
शहर की सड़कों और गलियों में भी, वाहनों की भारी बाढ़ सी आ गई।
हाईवे की तो छोड़ो 'बेदी' , शहर की गलियां तक भी फुल हो गई।।
गाड़ी खरीद ले आओ अब कोई भी,क्योंकि सुविधा फाइनेंस की आम हो गई।
लगातार बढ़ती संख्या वाहनों की,विषय गंभीर चिंता का हो गई।।
उचित व्यवस्था ना होने से पार्किंग की,समस्या जाम की आम से विकट हो गई।
मिनटों में ही लग जाता जाम,कारण पर वाणी सबकी मौन हो गई।।
कोई नहीं ले रहा सुध इसकी,और जनता जाम से बेहाल हो गई।
सरकारी मशीनरी भी शायद,साबित विफल इस समस्या के आगे हो गई।।

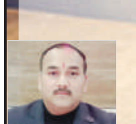

सचिन बेदी अधिवक्ता , हरिद्वार

बिचौलिया अच्छा है!

दुनिया कभी भी समानांतर नहीं चल सकती, इसलिए सदियों ने भी खुद के भीतर ऊंच-नीच के मानदंड गुजार दिए और जो आज भी जारी हैं। अपनी-अपनी औकात और हिसाब से लोग खुद को छोटा या बड़ा मान लेते हैं। खोदे गए सारे पहाड़ आज भी उस चूहिया को नहीं पकड़ पाए और न ही समाज उसे खोज पाया जिसने पहाड़ से लेकर इनसान तक का जीना हराम किया हुआ है। हराम के चक्करों में लोग देवता बन गए। कइयों ने तो भ्रष्टाचार की जीती हुई बाजी लौटा दी ताकि कोई उन्हें हराम से न जोड़ दे। हमें चूहिया का आर्ट इसलिए पसंद है क्योंकि वह अपने वजूद को साबित करती हुई किसी भी पहाड़ की खुदाई करवा सकती है। कई दफ्तरों के गोलमाल साबित होने से पहले चूहिया ही तो काम आती है। इसलिए अब खोदा पहाड़ नहीं, 'खोजा दफ्तर, तो निकली चूहिया' का अर्थ जनता जानती है। अब चूहिया बदल गई है, लेकिन लोग बाग खुदाई कर रहे हैं ताकि कहीं तो कुछ मिले। हर दफ्तर, हर संस्थान और हर सरकार में कहीं तो कोई चूहा या चूहिया बैठे हैं।

जो खुदाई कर पाते हैं, वही तो मेहनती हैं। हैरानी तो यह कि जो खुदाई कर रहे हैं, उन्हें मेहनती नहीं माना जा रहा, बल्कि मेहनती वे हैं जिनकी मेहनत दिखाई नहीं, उगाही देती है। वैसे दिखाई तो भ्रष्टाचार भी नहीं देता, लेकिन इसके पीछे कहां कहां श्रम होता है, इसका अनुमान लगाना भी मुश्किल है। सदियों से मेहनत की भाषा ढूंढी जा रही है, लेकिन मेहनत वहां बोलती है जहां बिना पसीना बहाए कोई देश के श्रेय की खुदाई कर रहा है। बिना किसी पसीने के जो मंत्री बन जाए, असली मेहनत वहां है। मेहनत वहां है जहां कोई अपनी शर्म से भी श्रेय हासिल कर ले, यही आपदा में अवसर ढूंढने की मेहनत है। जो व्यक्ति आपदा, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, परिवारवाद, गिरोहवाद, जातिवाद और धर्म के विकार से न डरे, वह अवश्य ही मेहनती है। पुण्य कमाने की नालायकी को मेहनत मानें या गौर करें कि जो अदृश्य मेहनत से कमा लेने की करामात कर सकता है, उस बिचौलिए को अवतार मानें। बिचौलिया इस दुनिया का सबसे गोपनीय यथार्थ है। अपने रोजगार को गोपनीय बनाए रखना और गोपनीयता के साथ कमा लेना ही आज के युग की मेहनत है। सोचिए अगर बिचौलिया न होता तो नासिक का प्याज कोई इतने सस्ते में खा पाता। यह बिचौलिया ही है जो देशी आलू को पोटेटो चिप्स में इंपोर्टिड और आयातित लहसुन को देशी बना सकता है। आज की शिक्षा स्कूल से गायब होकर अकादमी की ट्यूशन को चमका रही है, तो यह बिचौलिया अच्छा है। बिचौलिया दारू बेच रहा हो या हीरा, देश के माल में स्वदेशीकरण की हवा मिला रहा है। बिचौलिया होना टॉप क्लास हुनर है, इसलिए इस प्रोफेशन की सेक्रेसी कभी पश्चाताप नहीं करती, वरना दूसरे व्यवसाय में डूबे लोग खुद को कोसते मिल जाएंगे। मेहनत का बिचौलिया कितना सरल व सहज है, इसे कभी सेहत के विज्ञापन की इज्जत पर देखिए। हमें चमड़ी गोरी करनी है या अपने नजदीक सफेदपोश नेता को बुलाना है तो बिचौलिए की भूमिका को स्वीकार करना ही होगा। हमारे अपने घरों में रिश्ते-नातों और यहां तक कि बच्चों की शादी तक के लिए एक अदद बिचौलिया चाहिए। बिचौलिए हर युग में रहे हैं, लेकिन वर्तमान में बिचौलियों के कई स्तंभ हैं-पहला, दूजा, तीजा और अब तो चौथा स्तंभ भी इस रेस में शामिल हो गया है।

निर्मल असो

वैद्यानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठोस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

प्रेस एक्ट में संशोधन कर डिजिटल मीडिया को भी किया जाए पंजीकृत : जेसीआई

30 मई को डिजिटल सम्मान पत्र से संगठन करेगा पत्रकारों को सम्मानित

वेणीराम उनियाल / उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। सरकार की उपेक्षा का शिकार बनी डिजिटल मीडिया के पंजीकरण के लिए एवं ई-पेपर के संचालन को लेकर आज जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि0) ने हुंकार भरी।

आज जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि0) के राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों ने एक वर्चुअल मीटिंग करके डिजिटल मीडिया के पंजीकरण के लिए हुंकार भरी और कहां गया कि सरकार मीडिया के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है और देश की आजादी के पिछत्तरवी वर्षगांठ के बाद भी पत्रकारों को उनका हक नहीं दिया गया है देश में सरकार किसी की भी हो लेकिन पत्रकारों के साथ सौतेला व्यवहार ही किया गया है जबकि किसी भी सरकार द्वारा किए गए अच्छे बुरे कार्यों का पत्रकार एक आईना मात्र है। सभा का संचालन करते हुए राष्ट्रीय संयोजक डॉ आर0 सी0 श्रीवास्तव ने कहा कि 1867 और 2023 के मध्य बहुत कुछ बदल चुका है इसी के साथ पत्रकारिता ने भी अपने कलेवर को बदला है और आज पत्रकारिता वर्तमान परिस्थितियों में अपने नए रूप को परिलक्षित करती है जिसमें डिजिटल मीडिया का और ई-पेपर का अपना एक अलग मुकाम है परंतु सरकार की उपेक्षा के चलते आज डिजिटल मीडिया अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है जो की स्वस्थ्य लोकतन्त्र के लिए आवश्यक भी है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग सक्सेना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज देश में एक करोड़ से भी अधिक पत्रकार विभिन्न स्तर पर अपना कार्य कर रहे हैं जबकि सरकार केवल जिले स्तर के पत्रकारों को और श्रमजीवी पत्रकारों को ही पत्रकार मांनती है जो पत्रकारों के लिए सौतेला व्यवहार है और जब तक डिजिटल मीडिया के पत्रकारों को उनका हक नहीं मिल जाता तब तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी उन्होंने कहा की सर्वप्रथम तो सरकार को यह बताना चाहिए कि सरकार द्वारा पत्रकारिता के लिए क्या मानक निर्धारित किए गए हैं और क्या वह आज की तारीख में आदर्श मानक के रूप में स्थापित होते हैं। आज वेब मीडिया के पत्रकार श्रम की स्थिति मे है जहां सरकार एक ओर इन्हे श्रमजीवी पत्रकार मान रही है वही इनको सरकारी तंत्र फर्जी पत्रकार बता रहा है। संस्था के वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी अशोक झा ने कहा कि आज जबकि डिजिटल मीडिया जब लोगों के दिलों पर राज कर रही है तब सरकार द्वारा इस तरह का कदम उठाया जाना कहीं से भी उचित नहीं है। अपने विचार रखते हुए प्रदेश सलाहकार समिति के वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र पांडे ने कहा कि सरकार को आज नए सिरे से पत्रकार और पत्रकारिता से संबंधित कानूनों की समीक्षा करनी चाहिए ताकि पत्रकारों को उनका वास्तविक हक मिल सके।

इस अवसर पर अपना पक्ष रखते हुए प्रदेश सलाहकार समिति के वरिष्ठ पत्रकार सचिन श्रीवास्तव ने कहा कि आज जब पत्रकार हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं तब उच्च पदस्थ लोगों को घबराहट होने लगी है और इसीलिए डिजिटल मीडिया के पत्रकारों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश पांडे ने कहा कि सरकार को बरसों पुराने कानून की समीक्षा करते हुए पत्रकारों को उनका हक देना चाहिए। डॉ आर सी श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज मीडिया का स्वरूप पूरी तरीके से बदल गया है परंतु सरकार वहीं 1967 के नियमानुसार अपना कार्य कर रही है जिस में संशोधन करना अति आवश्यक है। सबसे विचार-विमर्श करके निष्कर्ष निकाला गया कि देश के प्रधानमंत्री एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्री को संगठन उक्त समस्याओं से अवगत कराते हुए यह भी मांग करेगा कि आज जबकि कागज और स्याही की कीमतें आसमान छू रही हैं और छोटे अखबार अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं ऐसी स्थिति में ई पेपर, डिजिटल मीडिया आदि को नियमों में संशोधन करते हुए पंजीकृत मीडिया का दर्जा दिया जाए।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में पुरातन छात्र-छात्राओं के समागम 'मिलन की उमंग' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में पुरातन छात्र-छात्राओं के समागम ऱमिलन की उमंगऱ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कालेज के पूर्व छात्र-छात्राओं, पूर्व प्राध्यापकों, पूर्व प्राचार्यों, वर्तमान प्राध्यापकों, कालेज प्रबंधन समिति का पुनर्मिलन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने की। जबकि मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश लोकपाल सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी, पूर्व न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह, श्रीमहंत राम रत्न गिरी, प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य व प्राध्यापकों में प्रो. पीएस चौहान, डॉ. एस.एस. जायसवाल, डॉ. नरेश गर्ग, डॉ. अवनीत कुमार घिल्डियाल, डॉ. सरस्वती पाठक, डॉ. आर.डी. उपाध्याय आदि का पुरातन छात्र छात्राओं ने स्वागत किया और अपने संसमरण साझा किये।

ट्रक पर लगी बेकाबू आग पर दमकल कर्मियों ने पाया काबू

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

रूड़की। 22 मई को समय 4:45 पर लखनौता चौक के पास एक ट्रक में आग लगने की सूचना पर फायर यूनिट ने तत्काल मौके पर पहुंच कर होज पाइप से पंपिंग कर आग को बुझाने का प्रयास किया किन्तु आग लगातार तीव्र होती जा रही थी। मौके की नजाकत को देखते हुए फायर स्टेशन रुड़की से एक और फायर यूनिट को मौके पर बुलाकर संयुक्त रूप से कड़ी मेहनत के उपरांत आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया।

ट्रक में केमिकल और दाना (पशु चारा) होने के कारण तेजी से फैल रही आग के डीजल टैंक तक पहुंचने के संभावित खतरे के बीच आग पर काबू पाना बेहत जोखिमपूर्ण था। आग के चलते ट्रक में रखा सामान (केमिकल एवं पशु चारा/ दाना) नष्ट हो गया लेकिन टीम ने बिना जनहानि के ट्रक को भी जलने से बचा लिया गया।

फायर स्टेशन रुड़की टीम-

1 LFM नजाकत अली
2 LFM गयूर अली
3 DR. विपिन सिंह तोमर
4 FM हरिश्चंद्र राणा

फायर यूनिट मंगलौर टीम

1 LFM अजब सिंह
2 DR. अब्दुल रहमान
3 FM अजय सिंह

उत्तराखंड की एक और भर्ती का परिणाम घोषित होते ही उठे सवाल ? रिजल्ट में लगाया धांधली का आरोप

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

आरोप

हरिद्वार। आपको बता दें कि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग लगातार भर्तियों के मामलो में चर्चाओं में चल रहा है। इसी क्रम में एक दिन पहले ही उत्तराखंड पुलिस भर्ती का उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है जिस पर आज काफी संख्या में पूरे उत्तराखंड से आए अभ्यर्थीओ ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग हरिद्वार पहुंचे और अपना विरोध प्रकट करते हुए कहा है। कि पुलिस भर्ती परीक्षा परिणाम में पूरी तरह से अनियमितता बरती गई है। कुछ अभ्यर्थियों को शारीरिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा कराने के बाद अंतिम मेरिट में नापतोल में अनफिट कर दिया गया। जबकि अभ्यार्थियों को नापतोल में अनफिट करना ही था तो शारीरिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा क्यों कराई गई।

जबकि इन अभ्यर्थियों का यह भी कहना है। कि हमारे नंबर अंतिम मेरिट लिस्ट से कहीं ज्यादा है। फिर भी हमे मेरिट लिस्ट से बाहर कर दिया गया। इसकी क्या वजह हो सकती है यह समझ से बाहर है वही दूसरा मामला भूतपूर्व सैनिक का है जहा 106 नंबर आने के बावजूद भी मेरिट लिस्ट से बाहर कर दिया गया। जबकि भूतपूर्व सैनिक की 99 नंबर पर अंतिम मेरिट लिस्ट लगी है इस तरह के और भी अन्य कई मामले हैं जो भर्ती पर कई सवाल खड़े कर देते है। जो उत्तराखंड युवाओं के साथ एक बड़ा खिलवाड़ है। उत्तराखंड का युवा परीक्षा दे दे कर थक चुका है लेकिन भर्तियों के कुछ ठेकेदारों की वजह से सरकार को भी शक के घेरे में खड़ा कर देती है। अभ्यार्थियों ने कहा है कि सही तरीके से परीक्षा परिणाम घोषित किया जाए। अन्यथा इसके लिए उत्तराखंड में एक बड़ा आंदोलन होगा। जिसके लिए स्वयं आयोग जिम्मेदार होगा। अभ्यार्थी बड़ी कड़ी मेहनत करके परीक्षाएं पास करते है और उनके साथ इस तरह का खिलवाड़ करना यह ठीक नहीं है और अभ्यार्थियों ने यह भी कहा कि इसके लिए हमे हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट भी जाना पड़े तो हम जाएंगे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन कार्यकारिणी बैठक का हुआ आयोजन

हरिद्वार। सोमवार को गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन की कार्यकारिणी की एक बैठक पेंशन के पिछले सात महीनों से न मिलने के कारण आयोजित हुई। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने गुरुकुल प्रशासन की उदासीनता के प्रति रोष प्रकट किया। एसोसिएशन के महासचिव गिरीश सुन्दरियाल ने कहा कि हमने सूचना के अधिकार के तहत भी पेंशन न मिलने के कारणों की जानकारी चाही तो प्रशासन ने अपने जवाब में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पर अनुदान नहीं देने की बात कहकर बुला टाल दी। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. भारत भूषण विद्यालंकार ने बताया कि पेंशनर्स को 2016 के बाद से मेडिकल सुविधा भी नहीं दी जा रही है। इसके भी कारणों की बाबत पूछा गया लेकिन प्रशासन ने कोई भी सटीक उत्तर नहीं दिया। सात महीनों से पेंशन न मिलने से सभी पेंशनर्स अपना घर तक नहीं चला पा रहे हैं। सभी सदस्यों ने मांग की कि तुरंत एसोसिएशन की आम सभा बुलाई जाए और सरकार के इस रवैए के खिलाफ आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाए। इसके साथ ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से भेंट करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजा जाए। बैठक में तय हुआ कि 24 मई को संस्कृत सभागार में प्रातः 11 बजे आम सभा की बैठक होगी। बैठक में अध्यक्ष और महासचिव के अतिरिक्त प्रोफेसर बीडी जोशी, प्रोफेसर मुकेश रंजन वर्मा, प्रोफेसर एसके श्रीवास्तव, हेमंत आत्रेय, महावीर यादव, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र ऋषि तथा पूर्व जनसंपर्क अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जोशी भी उपस्थित थे। शांति पाठ के पश्चात बैठक सम्पन्न हुई।

पत्रकार भंवर सिंह के आकस्मिक निधन पर जताया शोक

बहादराबाद ,(हरिद्वार)। बहादराबाद पत्रकार भंवर सिंह के आकस्मिक निधन पर प्रेस क्लब बहादराबाद के पत्रकारों ने दुख व्यक्त किया है ज्ञात हो पत्रकार भंवर सिंह रोशनाबाद निवासी की अचानक तबीयत खराब होने के कारण उनको जौलीग्रांट अस्पताल ले जाया गया जहा दो दिन उपचार के बाद निधन हो गया कनखल श्मशान घाट में उनके पार्थिव शरीर को अग्नि के समर्पित किया गया आज प्रेस क्लब बदराबाद की एक आपात बैठक हुई जिसमें दिवंगत आत्मा के लिए दो मिनट का मौन रखा गया इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सनत शर्मा, महामंत्री प्रमेंद्र नारायण, मनीष पाल, प्रवेश राय, संजय लांबा, मित्रपाल, नवनीत शर्मा, डॉ अर्जुन नागयान, बीबी चंदेला , ज्ञान प्रकाश पांडे, दीपक मौर्या, आशीष शर्मा, आदि ने दिवंगत आत्मा के प्रति दो मिनट के शोक संवेदना व्यक्त की।

10 घंटे के भीतर हरिद्वार पुलिस ने सुलझाई मर्डर मिस्ट्री

उत्तराखंडप्रहरी ब्यूरो

कलियर, (हरिद्वार)।

ये था घटनाक्रम

21 मई को धनौरी बावनदर्रा के पास एक महिला बेहद घायल अवस्था में मिली थी जिसके शरीर पर चाकू से वार कर किये गए थे। महिला संबंधी अपराधों के प्रति बेहद गंभीर एसएसपी अजय सिंह सूचना मिलते ही अन्य ऑफिसर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

घायल महिला को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल रुड़की भेजने पर इलाज के दौरान चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। मृतक महिला से पुलिस को काफी प्रयासों के बाद केवल इतना पता चल पाया कि उसका नाम सकीना है और वह अपने पति सुहैल और बेटी के साथ घूमने कलियर आयी थी।

इस तरह गिरफ्त में आया मर्डर मिस्ट्री का अभियुक्त

बिना किसी सही जानकारी के इस मर्डर मिस्ट्री को खोलना पुलिस के लिए चुनौती बन गया क्योंकि पुलिस के पास सिर्फ इतनी जानकारी थी कि मृतका का नाम सकीना है और वह अपने पति सुहैल व बच्चे के साथ कलियर आई। क्योंकि पति साथ में था तो उसका अचानक इस तरह गायब हो जाना शंका पैदा करता था जिस कारण एसएसपी के आदेश पर पूरे जनपद में देर रात तत्काल ही सभी थाना चौकी स्थित नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और ऑफ रुटों पर एक साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें स्वयं एसएसपी द्वारा चेकिंग की मॉनिटरिंग की गई।

वहीं दूसरी तरफ काम कर रही अन्य पुलिस टीम को मैन्युअल पुलिसिंग के आधार पर जानकारी मिली कि महिला दाबकी सहारनपुर क्षेत्र से संबंधित है, इस पर एसएसपी हरिद्वार व टीम ने सहारनपुर के अपने-अपने संपर्क सूत्रों को महिला की फोटो भेज कर सरगर्मी से व्हाट्सएप ग्रुप, घर-गांव में तलाश कराई, कई घंटों की एकाग्रता से की गई मेहनत से मृतक महिला सकीना व उसके पति सुहैल के किराए पर दाबकी रहने एवं मूल गंगोह, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश रहने की जानकारी मिली।

ये था हत्या का कारण

हत्या की वजह खोजने में जुटी पुलिस टीम ने सभी जानकारियों को सिलसिलेवार एकत्र किया।

करीब 5 वर्ष पूर्व सिडकुल क्षेत्र में काम करने के दौरान अभियुक्त सुहैल की मुलाकात तसगिरा उर्फ सकीना से हुई। प्रेम सम्बन्धों के चलते सुहैल ने अपने घर वालों की इजाजत के बिना तसगिरा उर्फ सकीना से उसके पूर्व में शादीशुदा होने के बावजूद भी, निकाह किया। तीन बच्चे होने के बाद दोनों के बीच घर के खर्चों, आपसी मनमुटाव, सकिना का बार-बार निकाह से पहले अच्छी जिंदगी जीना और रोज-रोज के झगड़ों के कारण सुहैल ने सकीना को तलाक दे दिया लेकिन सकीना अलग होने के एवज में सुहैल से 3 लाख की मांग कर रही थी नहीं तो अंजाम भुगतने की धमकी दे रही थी।

इन सब कारणों से लगभग रोज ही इनमें लड़ाई झगड़े हो रहे थे जो अब ज्यादा होने लगे थे। जिस कारण सुहैल ने सकीना को रास्ते से हटाने का मन बना लिया।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

सुहैल मृतका को 09 माह की बेटी के साथ घुमाने के बहाने कलियर लेकर आया और पूर्व में भी कलियर आने एवं रास्तों की अच्छी जानकारी रखने वाले सुहैल ने बावनदर्रा धनौरी के पास मौका देख कर अपनी पत्नी तसगिरा उर्फ सकीना को चाकू मारकर, जान से मारने की नियत से गंगनहर में फेंका और अपनी बेटी आयत उम्र 9 माह को लेकर मौके से फरार हो गया।

अभियुक्त सुहैल उपरोक्त को सत्यता के आधार पर गंगोह, सहारनपुर से लाकर पूर्ण जानकारी उपरांत अपराध पुष्ट होने पर कलियर थाना क्षेत्र से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। फॉरेंसिक टीम द्वारा सावधानीपूर्वक साक्ष्य एकत्रित किए गये।

नाम पता अभियुक्त

- सुहैल पुत्र असगर निवासी मोहल्ला मोहम्मद गौरी गंगोह सहारनपुर उत्तर प्रदेश

बरामदगी

- हत्या में प्रयुक्त चाकू एवं मोटरसाइकिल, खून से सने कपड़े इत्यादि

दर्ज मुकदमा

- मु0अ0सं0- 233/2023 धारा-302 भादवि

पुलिस टीम थाना कलियर

- SO कलियर जहांगीर अली
- SI प्रदीप राठौर (चौकी प्रभारी धनोरी)
- ASI रामअवतार
- HC इलियास अली
- HC सोनू
- HC जमशेद अली
- C जितेंद्र सिंह
- C फुरकान अली

CIU टीम रुड़की

- C नितिन
- C महिपाल
- C राहुल नेगी

फॉरेंसिक टीम

- अक्षय कुमार
- अनिल चौहान
- विनय भट्ट।

पुलिस की मुठभेड़ पर उठे सवाल ? ग्रामीणों और विधायक ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। पथरी थानांतर्गत ग्राम बोडाहेड़ी निवासी जब्बार पत्र जरीफ के साथ पुलिस की मुठभेड़ पर सवाल उठाते हुए परिजनों और ग्रामीणों ने विधायक रवि बहादुर के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचकर एसएसपी अजय सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञात हो कि शनिवार की रात गोकशी मामले में पुलिस ने जंगल में छापा मारा था। जहां पुलिस की जब्बार के साथ मुठभेड़ हुई और इस दौरान जब्बार के पैर में गोली भी लगी। परिजनों का आरोप है कि जब्बार को फंसाया जा रहा है। शनिवार की सुबह जब्बार सब्जी बेचने के लिए निकला जिसकी सीसीटीवी फुटेज भी है। शाम को घर नहीं आने पर पथरी थाने में उसकी गुमशुदगी लिखाने गए तो पुलिस ने मदद और जांच भी नहीं की। गलत सूचना के आधार पर पुलिस ने जब्बार को पकड़ा। विधायक रवि बहादुर ने कहा कि वह गौकशी और गौतस्करी का कतई समर्थन नहीं करते हैं, लेकिन घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। एसएसपी अजय सिंह ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष होगी। किसी के साथ भी गलत नहीं होने दिया जाएगा। सीओ को जांच के लिए कह दिया गया है। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि सुनील कुमार, अनिल भास्कर, निजाम, परवेज, अब्दुल रहमान, तासीन, मुकर्रम, अरशद, इरशाद, अब्बास, कुर्बान, सोहेल, शकील, शाबिर, रियाजुल, कर्मसिंह, अरबाज, जमशेद आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

गंगा जी को पार करने की जिद में फिर आफत में फंसी यात्री की जान

हरिद्वार। 22 मई 2023 को परमार्थ निकेतन घाट पर एक युवक गंगा जी को पार करने की कोशिश में गंगा जी के बीच में जाकर लहरों में फंस गया और डूबने लगा। घाट पर मौजूद हरिद्वार जल पुलिस के गोताखोर विक्रांत ने तत्परता दिखाते हुए गंगा जी में छलांग लगाकर बड़ी मशक्कत के साथ युवक को सकुशल बचाया व उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

युवक का विवरण

मनजीत s/o रजत कुमार निवासी जिला बैट्टीया बिहार उम्र 20 वर्ष

100% रिकवरी के साथ पुलिस टीम ने जादूगर रोड़ स्थित घर से ज्वेलरी चोरी प्रकरण में पिता-पुत्र को दबोचा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

24 घंटे के भीतर किया गया चोरी का खुलासा पीड़ित पक्ष ने हरिद्वार पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना

सामान शिफ्टिंग के दौरान आभूषण रखे थेले पर किया था हाथ साफ

रुड़की। जादूगर रोड़ सिविल लाईन रुड़की निवासी अनुभव सिंघल के घर से अज्ञात चोर द्वारा करीब 8 लाख रुपये कीमत की सोने की ज्वेलरी चोरी होने सम्बन्धी प्रकरण में पुलिस टीम ने मुकदमा दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पिता-पुत्र को दबोचते हुए शत प्रतिशत ज्वैलरी बरामद करने में सफलता हासिल की।

घटना के कई दिन बाद ज्वैलरी चोरी होने की जानकारी होने पर पीडित द्वारा शिकायत देने पर कोतवाली रुड़की में मु0अ0सं0 331/2023 धारा 380 भादवि में मुकदमा दर्ज कर अज्ञात अभियुक्तों की तलास में जुटी पुलिस टीम को जानकारी मिली थी कि दिनांक 09.05.2023 को घर पर समान शिफ्टिंग के दौरान बाहर से मजदूर लगाए गए थे। मजदूरों की जानकारी इकट्ठा करने के उपरांत पुलिस टीम ने कलियर बस अड्डे से सोत महौल्ले की ओर जाने वाली रोड पर पिता-पुत्र समीम व समीर 02 अंगुठी पीली धातु व 01 जोड़ी टॉप्स के साथ दबोचा। सख्ती से पूछताछ करने के उपरांत दोनों अभियुक्तों की निशांदेही पर उनके घर से चोरी की गयी समस्त ज्वैलरी बरामद की गई। अभियुक्तगणों को मा0 न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया कि दिनांक 09.05.2023 को घर का सामान की शिफ्टिंग के दौरान अभियुक्त समीर को *रजाई के अन्दर जेवरात से भरा थैला मिला था* जिसे वह चुपचाप अपने घर ले आया। अभियुक्त समीम को इस बात की जानकारी मिलने पर दोनों ने ज्वेलरी को एक 'पुराने एफ0एम0 रेड़ियो के अन्दर छिपा दिया था' ताकी बेटी की शादी के लिए खर्चे की व्यवस्था हो पाए।

गिरफ्तारी अभियुक्त

- समीर पुत्र समीम निवासी सीटी पब्लिक स्कूल वेकट हाल के पास रुड़की
- समीम पुत्र नसीम निवासी उपरोक्त

बरामदगी शत प्रतिशत

- (14 तोला सोना कीमत करीब 8 लाख रुपये)
- 27 अंगूठी पीली धातु
- 01 हाफ़सेट
- 02 ब्रेसलेट
- 01 जोड़ी टॉप्स

पुलिस टीम

- प्रभारी कोतवाली रुड़की SI बारु सिह चौहान
- SI नितिन बिष्ट
- ASI बालम सिह
- HC दिनेश गुप्ता
- HC प्रवीण
- HC रीना रावत
- C टीकम सिह चौहान
- C अनिल शर्मा
- C लाइक अहमद

पीयूष गोयल अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन की बैठक का करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली, (वार्ता)। राजधानी में 23-26 मई तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन (आईएसओ) की मानक निर्धारण करने वाली प्रतिष्ठित उपभोक्ता समिति कोपोल्को की 44वीं वार्षिक पूर्ण बैठक का उद्घाटन केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। उपभोक्ता विभाग की सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 168 देशों की सदस्यता वाले आईएसओ के इस सम्मेलन में कोपोल्को की अध्यक्षा सैडी डेंटन, आईएसओ के महासचिव सर्जियो मुजिका और आईएसओ के अन्य उच्च अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। आईएसओ मानक विकास पर अपनी उपभोक्ता समिति (कोपोल्को) के माध्यम से, आईएसओ मानकीकरण की प्रक्रिया में जनभागीदारी सुनिश्चित करता है।

आईएसओ कोपोल्को या उपभोक्ता नीति पर समिति, मानकीकरण प्रक्रिया में उपभोक्ता हितों को बढ़ावा देने और मानकों को उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाना सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार अंतरराष्ट्रीय संगठन (आईएसओ) की एक समिति है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा आयोजित किये जा रहे इस महासम्मेलन में मानकीकरण प्रक्रिया में उपभोक्ता सम्पर्क को लक्षित अन्य विशिष्ट गतिविधियों के अलावा, भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय में संबंधित विषयों पर संवाद सत्र और कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएगी। विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में सरकारी और व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रमुखों की विशिष्ट उपस्थिति होगी और प्रतिष्ठित वैश्विक हितधारकों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। सम्मेलन में जन-केंद्रित दृष्टिकोण और 'उपभोक्ता सम्पर्क के लिए चुनौतियां और अच्छी प्रक्रियाएं, 'सतत भविष्य के लिए उपभोक्ताओं को सशक्त बनाना' और 'उपभोक्ता संरक्षण और कानूनी ढांचे' जैसे विषयों पर परिचर्चाएं होंगी। इसलिए, आईएसओ कोपोल्को की पूर्ण बैठक को एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय घटना माना जाता है जिसमें आईएसओ के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को दुनिया में मानकों के विकास में तेजी लाने के लिए चर्चा और रणनीति विकसित करने का अवसर मिलता है।

भारत लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण के मामलों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएसओ) के संस्थापक सदस्यों में से एक है।

हजार का नोट फिर चलाने की बात 'अटकलबाजी': आरबीआई गवर्नर

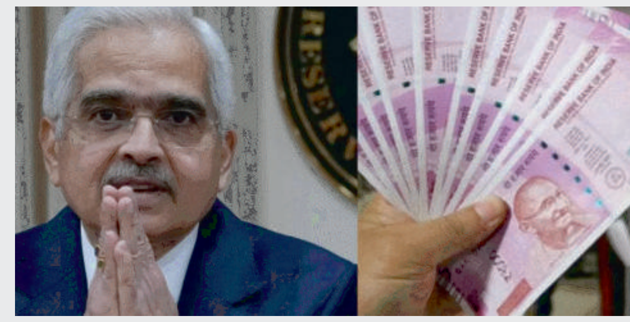

मुंबई, (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एक हजार रुपये मूल्य का नोट फिर चलन में फिर लाए जाने की चर्चाओं को अटकलबाजी बताया है, साथ ही यह भी कहा कि 2000 रुपये के नोट को वापस लेने के निर्णय का अर्थव्यवस्था पर कोई खास असर नहीं होगा। आरबीआई गवर्नर ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में एक हजार रुपये का नोट फिर शुरू करने के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि यह अटकलबाजी है। उन्होंने कहा," फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। " आरबीआई की स्वच्छ बैंक नोट नीति के तहत दो हजार रुपये का नोट वापस लेने की घोषणा के बाद से कुछ हलकों में चर्चा है कि केंद्रीय बैंक 1000 रुपये का नोट फिर चलन में लाया जा सकता है। हजार रुपये का नोट आठ नवंबर 2016 को घोषित नोटबंदी में चलन से बाहर कर दिया गया था। उसी समय 2000 का नया नोट चलन में आया था। इसे अब लोग 23 मई 2023 से बैंकों के माध्यम से बदलवा या खातों में जमा करा सकते हैं। दास ने 2000 रुपये का नोट वापस लेने के कदम को केंद्रीय बैंक की मुद्राप्रबंधन व्यवस्था के तहत की गयी एक कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बाद कितने नोट वापस आएंगे, यह समयावधि खत्म होने के बाद ही सही-सही पता लगेगा। साथ ही उन्होंने उम्मीद जतायी की 30 सितंबर 2023 तक बाजार में पड़े दो हजार रुपये मूल्य के अधिकांश नोट बैंकों में वापस आ जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि चलन से वापस लिए जाने के इस निर्णय के बावजूद ये नोट विधिमान्य मुद्रा बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस निर्णय का अर्थव्यवस्था पर बहुत सीमित प्रभाव होगा, क्योंकि इस समय बाजार में पड़े दो हजार रुपये के नोट कुल करेंसी के 10.8 प्रतिशत के बराबर ही है।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.6 अरब डॉलर बढ़कर 599.5 अरब डॉलर

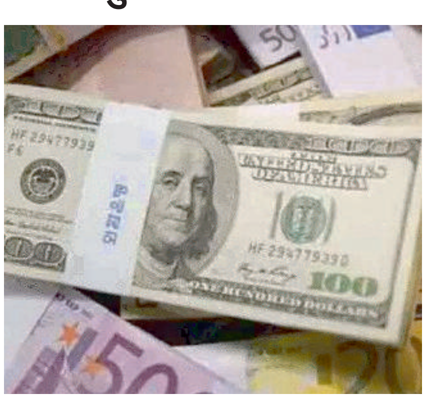

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी होने से 12 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.6 अरब डॉलर बढ़कर 599.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 7.2 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 595.98 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 12 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 529.6 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.4 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.4 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 2.8 करोड़ डॉलर कम होकर 5.2 अरब डॉलर रह गया।

दालें 850 रुपए तक महंगी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में भारी गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर मांग रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा वहीं जबरदस्त उठाव होने से दालें 850 रुपए प्रति क्वटल तक महंगी हो गई। वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 93 रगिट गिरकर 3730 रगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.85 सेंट की गिरावट लेकर 47.88 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 220 रुपए और सोया रिफाइंड 439 रुपए प्रति क्वटल सस्ता रहा जबकि वनस्पति तेल में 67 रुपए प्रति क्वटल की तेजी रही।

2000 हजार रुपए का नोट बदलने के लिए क्या करना होगा, आरबीआई ने बताया रास्ता

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आज स्पष्ट किया कि उसकी शाखाओं में दो हजार रुपए के नोट को बदलते समय किसी भी तरह के पहचान पत्र की जरूरत नहीं है। एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) एस. मुरलीधरन की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि बैंक की सभी शाखाओं में बिना कोई स्लिप भरे ही दो हजार रुपए के नोट बदले जाएंगे। साथ ही नोट बदलते समय ग्राहक को अपना कोई भी पहचान पत्र देने की आवश्यकता नहीं है। श्री मुरलीधरन ने कहा कि दो हजार रुपए के नोट बदलने के लिए जारी सर्कुलर में और कोई बदलाव नहीं किये गये हैं। एसबीआई की सभी शाखाओं को लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक इंतजाम करने का निर्देश दिया गया है, ताकि नोट बदलने का काम सुगम तरीके से संपन्न किया जा सके।

अब व्हाट्सऐप के अंदर बना पाएंगे इमेज से स्टिकर, चैटिंग होगी मजेदार

नई दिल्ली। व्हाट्सऐप यूजर्स के लिए खुशखबरी है। कंपनी यूजर्स के चैटिंग एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए नया फीचर लाने की तैयारी कर रही है। इस फीचर की मदद से यूजर ऐप के अंदर ही स्टिकर क्रिएट कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सऐप का यह नया फीचर आईओएस के लिए आने वाला है। इस पर कंपनी तेजी से काम कर रही है। डब्ल्यूएबीटाइन्फो ने जो स्क्रीनशॉट शेयर किया है, उसमें इस अपकमिंग फीचर की झलक मिलती है। रिपोर्ट के अनुसार, नए फीचर का इस्तेमाल करके यूजर अपने फोटो से ही स्टिकर डिजाइन कर सकते हैं। यह फीचर इमेज से सब्जेक्ट को एक्सट्रैक्ट करने के लिए आईओएस 16 के एपीआई को यूज करेगा। एक्सट्रैक्शन के बाद यह ऑटोमैटिकली ऐप में स्टिकर बन जाएगा। इसके लिए कंपनी चैट शेयर ऐक्शन शीट में न्यू स्टिकर ऑप्शन दे रही है। इस पर क्लिक करने से यूजर डिवाइस की इमेज लाइब्रेरी में पहुंच जाएंगे। यहां उन्हें बैकग्राउंड हटाने के साथ ही पिक्चर को एडिट करने के लिए कुछ टूल भी मिलेंगे।

व्हाट्सऐप अपने वेब यूजर्स के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए नए-नए फीचर ला रहा है। अगर आप व्हाट्सऐप वेब यूजर हैं और इसके बीटा प्रोग्राम से जुड़े हैं, तो आपको नए इमोजी पैनल के साथ रिडिजाइन चैट शेयर शीट का मजा मिलेगा। कंपनी ने वेब वर्जन के लिए चैट शेयर शीट को पूरी तरह रीडिजाइन कर दिया है। नए अपडेट से विंडो काफी कॉन्पैक्ट लग रहा है और सभी आइकन एक जैसी साइज के दिख रहे हैं।

शंघाई में छाई पंजाब की बेटी, तीरंदाज अवनीत कौर ने विश्व कप में जीता कांस्य पदक

चंडीगढ़। चीन के शहर शंघाई में चल रहे तीरंदाजी खेल के विश्व कप में भारत की तरफ़ से खेलते हुए पंजाब की तीरन्दाज़ अवनीत कौर ने काँस्य पदक जीता। अवनीत ने विश्व कप में महिला वर्ग के व्यक्तिगत कम्पाउंड मुकाबले में तीसरे स्थान वाले मैच में तुर्की की तीरन्दाज़ इपेक तोमुरक को 147-144 के साथ हराकर कांस्य पदक जीता। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने इस गौरवमय प्राप्ति पर तीरंदाज अवनीत कौर को मुबारकबाद देते हुए कहा कि उसने राज्य और देश का नाम रौशन किया।

उन्होंने इस प्राप्ति का श्रेय तीरंदाज की सख़्त मेहनतए लगन और समर्पण भावना के साथ-साथ उसके कोच और माता-पिता को दिया। खेल मंत्री ने अवनीत को भविष्य के मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह इस खेल में देश का भविष्य है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में अवनीत और भी उपलब्धियां हासिल करेगी। अवनीत की यह उपलब्धि राज्य में युवा खिलाड़ियों के लिए मार्गदर्शक बनेगी। मीत हेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पंजाब को फिर खेल में नंबर एक बनाने के लिए प्रयास कर रही है और इस बार खेल के बजट में भी 55 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। नई खेल नीति भी जल्द आ रही है। बठिंडा जिले के गांव सरदारगढ़ की रहने वाली अवनीत कौर खालसा कॉलेज पटियाला की छात्रा है।

अभी पैर जमीन पर रखना चाहता हूं, टीम इंडिया में सिलेक्शन के बारे में नहीं सोच रहे रिंकू सिंह

कोलकाता। केकेआर के निराशाजनक आईपीएल अभियान में शानदार प्रदर्शन करने वाले रिंकू सिंह अपने पैर जमीन पर रखना चाहते हैं और अभी भारतीय टीम में चयन के बारे में नहीं सोच रहे। रिंकू न लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ केकेआर की एक रन की हार के बाद कहा, इस तरह के सत्र से किसी को भी बहुत अच्छा लगेगा, लेकिन मैं अभी इतनी दूर तक नहीं सोच रहा हूं कि मुझे भारतीय टीम में चुना जाएगा।

IPL 2023 : कैमरून ग्रीन के चौकों-छक्कों से गूंजा वानखेड़े, मुंबई इंडियंस की आठ विकेट से धमाकेदार जीत

मुंबई। मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2023 का 69वां मुकाबला 20 मई को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में होम टीम मुंबई इंडियंस ने आठ विकेट से बाजी मार ली।

वहीं इस जीत के साथ मुंबई अब भी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। वह 16 अंक के साथ अब चौथे पायदान पर आ गए हैं। ग्रीन ने 47 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके और इतने ही छक्के लगाने के साथ कप्तान रोहित शर्मा (37 गेंद में 56 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 गेंद में 128 रन और सूर्यकुमार (16 गेंद में नाबाद 25 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 30 गेंद में 53 रन की अटूट साझेदारी की। रोहित ने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया जबकि सूर्यकुमार यादव ने चार चौके जड़े। हैदराबाद के लिए सिर्फ भुवनेश्वर कुमार (चार ओवर में 26 रन पर एक विकेट) ही गेंद से प्रभाव छोड़ सके। इससे पहले मयंक ने 46 गेंद की पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाए।

अतंरराष्ट्रीय

यूनान के विपक्षी नेता एलेक्सीस त्सीप्रास ने स्वीकारी हार, सत्तारूढ़ पार्टी को 40.81% वोट

एथेंस। यूनान (ग्रीक) के विपक्षी नेता एलेक्सीस त्सीप्रास ने संसदीय चुनाव में न्यू डेमोक्रेसी पार्टी की जीत पर प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस को शुभकामनाएं दी। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार दक्षिणपंथी न्यू डेमोक्रेसी ने सिप्रास की वामपंथी सिरिजा पार्टी पर एक मजबूत बढ़त प्राप्त कर ली है। यूनान में हुए चुनाव में 60 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर मतगणना हो चुकी है, जिसके आधाकारिक परिणामों में प्रधानमंत्री मित्सोताकिस की सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी ने विपक्षी वाम मोर्चे के खिलाफ निरतंर बढ़त बना रखी है। लगभग दो तिहाई मतों की गिनती के बाद पूर्व प्रधानमंत्री त्सीप्रास की वामपंथी विपक्षी पार्टी को 20 प्रतिशत, जबकि श्री मित्सोताकिस की न्यू डेमोक्रेसी पार्टी को 40 प्रतिशत वोट मिले हैं। अभी तक 90 प्रतिशत से ज्यादा मतपत्रों की गिनती के बाद सत्तारूढ़ पार्टी को 40.81 प्रतिशत वोट और 300 सीटों वाली पार्लियामेंट में 146 सीटें प्राप्त हुई है, जबकि त्सीप्रास को 20.06 प्रतिशत वोट और 71 सीटें मिलीं है, जबकि पासोक 11.58 प्रतिशत वोट और 41 सीटें प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहा है, इसके बाद कम्युनिस्ट पार्टी 7.18 प्रतिशत और 26 सीटें प्राप्त हुई है, जबकि धुर-दक्षिणपंथी

ग्रीक सॉल्यूशन को 4.46 प्रतिशत और 16 सीटें प्राप्त हुई है।

किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पा बाद में दोबारा संसदीय मतदान होने की उम्मीद जताई गई है। सरकारी समाचार चैनल ईआरटी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री त्सीप्रास ने श्री मित्सोताकिस को अगले मतदान की संभावित तारीखों को रूप में 25 जून या दो जुलाई का प्रस्ताव देने का आग्रह किया है, जबकि श्री मित्सोताकिस ने वोट के परिणाम को 'बड़ी और स्पष्ट जीत' करार दिया है। करीब तीन दशक के वित्तीय संकट के दौरान स्थिति से उबरने के लिए कर्ज देने वाले अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं की यूनान की अर्थव्यवस्था पर कड़ी निगरानी और नियंत्रण खत्म हो जाने के बाद देश में रविवार को पहला चुनाव हुआ।

मोदी का संदेश: फिपिक देशों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल जैसी तमाम सुविधाएं देगा भारत

पोर्ट मोरेस्बी। भारत ने प्रशांत द्वीपीय देशों के लिए स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सौगातें देने की सोमवार को घोषणा की और मानवीय सहयोग की इस साझीदारी को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पापुआ न्यूगिनी की राजधानी में आयोजित फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (फिपिक) के तीसरे शिखर सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए ये घोषणाएं कीं।

मोदी ने अपने संबोधन में फिपिक शिखर सम्मेलन में 14 प्रशांत द्वीप देशों-फिजी, पापुआ न्यू गिनी, टोंगा, तुवालु, किरिबाती, समोआ, वानुअतु, नीयू, माइक्रोनेशिया के संघीय राज्य, रिपब्लिक ऑफ मार्शल आइलैंड्स, कुक आइलैंड्स, पलाऊ, नौरू और सोलोमन आइलैंड्स के नेताओं के आने और विचार मंथन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि आज के इस मंथन से जो विचार उभरे हैं, उन पर निश्चित रूप से गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कुछ साझा प्राथमिकताएं हैं और प्रशांत द्वीपीय देशों की कुछ आवश्यकताएं हैं। इस मंच पर हमारा प्रयास है कि हमारी साझीदारी इन दोनों

पहलूओं को ध्यान में रखते हुए चले। श्री मोदी ने फिपिक में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए कुछ घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि प्रशांत क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा को सशक्त करने के लिये हमने फिजी में एक सुपर-स्पेशियलिटी कार्डियोलॉजी अस्पताल बनाने का निर्णय किया है। प्रशिक्षित स्टाफ़, अत्याधुनिक सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त यह अस्पताल पूरे क्षेत्र के लिए एक लाइफलाइन बनेगा। भारत सरकार इस मेगा ग्रीन-फ़ील्ड प्रोजेक्ट का पूरा खर्चा उठाएगी। उन्होंने कहा कि भारत सभी 14 प्रशांत द्वीपीय देशों मे डायलिसिस यूनिट् लगाने मे मदद करेगा और इन 14 देशों को समुद्री एम्बुलेंस भी प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में फिज़ी में हमने जयपुर फुट कैंप लगाया था। इस कैंप में 600 से अधिक लोगों को बिना किसी शुल्क कृत्रिम अंग लगाए गए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमने पापुआ न्यूगिनी में जयपुर फुट कैंप लगाने का फैसला किया है। वर्ष 2024 से, हर साल इस तरह के दो और कैंप प्रशांत द्वीपीय देशों मे लगाए जाएंगे।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साथ

नईदिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को एक बार फिर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से मिले और अफसरों की ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर केंद्र के अध्यादेश का विरोध करते हुए केजरीवाल का समर्थन किया। उन्होंने शुक्रवार को केंद्र सरकार के लाए गए अध्यादेश को संविधान के खिलाफ बताया। एक महीने में दोनों मुख्यमंत्रियों की यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले 12 अप्रैल को दोनों मिले थे। नीतीश के साथ बिहार के डिप्टी सीएम और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी भी थे। मुलाकात के दौरान केजरीवाल ने कहा कि अगर केंद्र इस अध्यादेश को कानून बनाने के लिए राज्यसभा में लाती है, तो विपक्षी दल साथ दें। विपक्ष एक साथ होगा, तो 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा खत्म हो जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार को नियम के मुताबिक, संसद में अगले छह महीने में बिल लाना होगा। मैं विपक्ष के सभी नेताओं और मुख्यमंत्रियों से मिलकर इस बिल के विरोध के लिए उनका समर्थन मांगूंगा। 23 मई को दोपहर तीन बजे मैं ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता जाऊंगा। उसके बाद बारी-बारी से विपक्षी दलों के नेताओं और मुख्यमंत्रियों से मिलूंगा। केजरीवाल ने कहा कि नीतीश कुमार से भी मैंने इस संबंध में विपक्षी दलों के नेताओं से बात करने का निवेदन किया है।

उधर, मीडिया से बातचीत करते हुए नीतीश कुमार ने दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर केंद्र सरकार के अध्यादेश पर अरविंद केजरीवाल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एक चुनी हुई सरकार को दी गई शक्तियां कैसे छीनी जा सकती हैं? यह संविधान के खिलाफ है। हम अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े हैं। हम देश के सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि यह मीटिंग इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कांग्रेस ने 20 मई को कर्नाटक में सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में नीतीश को तो बुलाया था, लेकिन केजरीवाल को न्योता नहीं दिया था। नीतीश 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने के लिए विभिन्न दलों के नेताओं से मिल रहे हैं। अरविंद केजरीवाल 23 मई को ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उलट केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश के मुताबिक, दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का आखिरी फैसला उपराज्यपाल यानी एलजी का होगा। इसमें मुख्यमंत्री का कोई अधिकार नहीं होगा। संसद में अब छह महीने के अंदर इससे जुड़ा कानून भी बनाया जाएगा।

हिमाचल में भांग की खेती को वैध करने के लिए विस्तार से चिंतन होगा

शिमला (वार्ता)। हिमाचल के राजस्व, बागवानी और जनजातीय विकास मामले मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि औद्योगिक और गैर-मादक उपयोग के लिए भांग की खेती वैध करने के लिए उत्तराखंड में सरकार और किसानों के समक्ष आई समस्याओं और चुनौतियों पर विस्तार से चिंतन किया जाएगा। भांग की खेती से जुड़े लोगों के अनुभवों और सुझावों पर गहनता से गौर किया जाएगा। इससे पहले समिति ने भांग की खेती के लिए स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के अधिकारियों से विचार-विमर्श किया।

औद्योगिक और गैर मादक उपयोग के लिए भांग की खेती शुरू करने के दृष्टिगत प्रदेश सरकार द्वारा गठित समिति ने आज मध्यप्रदेश के ग्वालियर में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो) के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में समिति के अध्यक्ष मामले मंत्री जगत सिंह नेगी व अन्य सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने भांग की खेती शुरू करने को लेकर कानूनी पहलुओं पर ब्यूरो के अधिकारियों से विमर्श किया।

बैठक में अफीम और भांग की खेती में विभिन्न समानाताओं पर भी चर्चा की गई। समिति ने भविष्य में प्रदेश में भांग की खेती से संबंधित नीति बनाने के लिए सहयोग का आग्रह किया।

इसके उपरांत, समिति ने ग्वालियर के मालनपुर स्थित साई फाईटोस्यूटिकल्स कंपनी का दौरा किया और आयुष विभाग से लाइसेंस प्राप्त कर भांग से औषधियां तैयार करने के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर, नारकोटिक्स आयुक्त दिनेश बोध, नारकोटिक्स संस्थान के अधीक्षक डीएस सिंह, साई फाईटोस्यूटिकल्स कंपनी के प्रतिनिधि अनिल बंसाली भी उपस्थित थे।

कांग्रेस ने सदैव तुष्टीकरण की राजनीति की: अनुराग ठाकुर

शिमला (वार्ता)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि जिन लोगों ने अपनी पूरी उम्र नफरत के अलावा देश को कुछ नहीं दिया, भाई-भतीजावाद और देश को 'बांटो और राज करो' की रणनीति पर चलाने वाले लोगों के मुंह से मोहब्बत की बात शोभा नहीं देती। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव तुष्टीकरण की राजनीति की है और उस के बल पर ही वोट लिया है। भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस आज भी लोगों के बीच कोई बड़ी बात लेकर नहीं जा पाती है। देश पर 60- 65 वर्षों तक राज करने के बाद भी वे आज रेवड़ियों की बात करते हैं। वर्ष 2019 के आम चुनावों से पहले भी कांग्रेस कुछ राज्यों में जीती थी पर 2019 में क्या हुआ वह आप सब ने देखा है। ठाकुर ने कहा, " 'मोदी है तो मुमकिन है' यह बात आज हर देशवासी महसूस करता है। अगर 9 वर्षों में हम इतना आगे पहुंच सकते हैं तो सोचिए अगले 5 वर्षों में देश और हिमाचल कहां तक जा सकता है।" उन्होंने कहा, "अगले दो वर्षों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं तो सोचिए पांच वर्षों बाद क्या होगा।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के नौ वर्ष आने वाले 30 मई को पूरे होने वाले हैं। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी जनसंपर्क के द्वारा जन समर्थन जुटा रही है। अगले एक माह में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी अध्यक्ष सभी कार्यकर्ताओं को देंगे। उना से विधायक सतपाल सत्ती जी पिछले नौ वर्षों से प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे।

मथुरा में अब मिलेगी निर्बाध बिजली : हेमा मालिनी

मथुरा (वार्ता) मथुरा जिले के ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं और तीर्थयात्रियों को अनवरत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार ने 288 करोड़ से अधिक की एक अभिनव योजना स्वीकृत कर दी है।

इस योजना के अन्तर्गत चालू होनेवाला काम दिसंबर 2024 के पहले पूरा हो जाएगा। योजना की जानकारी देते हुए स्थानीय सांसद हेमामालिनी ने पत्रकारों को सोमवार को बताया कि ''रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम '' नाम की इस योजना पर पूरे जिले में कार्य होगा। इस योजना के पूरी होने के बाद लाइन लॉस भी कम हो जाएगा। यह कार्य गुजरात की एक कम्पनी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 288.41 करोड़ रूपये की केन्द्र सरकार की इस योजना को प्रधानमंत्री मोदी ने मथुरा के लिए विशेष रूप से स्वीकृत किया है। योजना में सर्विस कनेक्शन केबिल को आर्मर्ड केबिल से बदला जाएगा।

योजना में 1703 किलोमीटर सर्विस केबिल को आर्मर्ड केबिल से बदलने से केबिल को पंचर कर बिजली की होनेवाली चोरी को भी रोका जा सकेगा। मालिनी ने बताया कि योजना में बेयर कन्डक्टर की एलटी लाइनों को एबी केबिल द्वारा बदला जाएगा। इससे जहां कटिया डालकर बिजली की चोरी बन्द होगी वहीं बेयर कन्डक्टर के टूटकर गिरने से दुर्घटना होने की संभावना खत्म हो जाएगी। जिन क्षेत्रों में एबी केबिल लगाने के बावजूद बिजली चोरी नही रूक रही है उन क्षेत्रों में एलटी लाइन को आर्मर्ड एक्सएलपीई केबिल से बदला जाएगा। सांसद के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में नलकूप एवं घरेलू कनेक्शन के फीडर को अलग किया जाएगा जिससे नलकूप के चलने में व्यवधान नही होगा तथा बिजली की बर्बादी को रोका जा सकेगा। इसी श्रृंखला में ओवरलोड फीडरों की स्प्लिटिंग की जायेगी।

उत्तराखंड प्रहरी छोटी खबरें

राजीव गांधी की दूरदर्शी सोच के कारण समाज में आया परिवर्तन: सुक्खू

शिमला (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि पर शिमला के गेयटी थियेटर में 'राजीव गांधी-21वीं सदी के दूरदर्शी' प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने छात्र दिनों को याद करते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एन.एस.यू.आई.) के माध्यम से राजीव गांधी के साथ अपने जुड़ाव का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के सहयोग से ही वे एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान एनएसयूआई के एक प्रतिनिधिमंडल की मांग पर युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ। यह श्री राजीव गांधी के प्रधानमंत्री के रूप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। सुक्खू ने कहा कि कंप्यूटर क्रांति और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में देश को अग्रणी बनाने के लिए राजीव गांधी के योगदान और उनका दृष्टिकोण भी स्मरणीय है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए, राजीव गांधी के योगदान व प्रतिबद्धता और पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले संवैधानिक संशोधन का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की इन नीतियों के कारण ही समाज में सकारात्मक बदलाव आया है। हाल के हुए चुनावों में बड़ी संख्या में महिलाएं निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों के बाद पंचायती राज संस्थाओं में लगभग 58 प्रतिशत सीटें महिला उम्मीदवारों ने जीती हैं, जबकि शिमला नगर निगम चुनाव में 34 में से 21 महिलाएं निर्वाचित हुई हैं।

बंगाल में पटाखा विस्फोट से तीन लोगों की मौत

कोलकाता, (वार्ता)। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के बजबज में रविवार की रात एक घर में रखे अवैध पटाखा फटने से एक ही परिवार के तीन लोग मारे गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिस घर में अवैध पटाखा रखा गया था, वहां रहने वाले परिवार के तीनों सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बजबज ईएसआई अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मौके पर पुलिस बल की एक टुकड़ी तैनात की गई है और अवैध पटाखों का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह पूर्वी मिदनापुर जिले के एगरा में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई थी और बाद में दो अन्य लोगों की मौत हो गई थी। इस अपराध के मास्टरमाइंड ने भी कटक के एक नर्सिंग होम में दम तोड़ दिया।

कोरोना संक्रमण के पांच सौ से कम नये मामले

नयी दिल्ली, (वार्ता)। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के पांच सौ से कम मामले दर्ज किए गए हैं जबकि छह मरीजों की मौत हुई है इस बीच देश में कोरोना टीकाकरण भी जारी है और इसी क्रम में पिछले 24 घंटों में 468 लोगों को टीका लगाया गया है और अब तक देश में 2,20,66,98,600 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,49,86,934 हो गयी है। सक्रिय मामलों की संख्या 7,623 घटकर 492 रह गयी है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,839 हो गयी है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा 958 बढ़कर 4,44,47,472 पर पहुंच गया है।

विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश में अर्थशास्त्र विभाग की विभागीय परिषद का गठन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

ऋषिकेश। पंडित ललित मोहन शर्मा श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश में अर्थशास्त्र विभाग की विभागीय परिषद का गठन किया गया जिसमें पूजा लसयाल अध्यक्ष, नंदिनी गुप्ता उपाध्यक्ष, अभिनव गुप्ता सचिव, प्रियंका कोषाध्यक्ष, आयुष श्रीवास्तव सह सचिव, चुने गए साथ ही कक्षा प्रतिनिधि में जॉनी, प्रियंका ठाकुर, नैना तिवारी, नेहा नेगी, स्वाति सेमवाल, विशाल सिंह, प्रिया, सोनम मल्लाह, ईशा ध्यानी, आदर्श गुप्ता प्रत्येक सेमेस्टर से एक छात्र एवं एक छात्रा को विभागीय परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया I

इस अवसर पर अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो पुष्पांजलि आर्य ने सभी को बधाई देते हुए कहा की अर्थशास्त्र की विभागीय परिषद का गठन किए जाने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में शिक्षण के साथ-साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों का विकास करना है जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके, विभागीय परिषद के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों के संयोजक डॉ. अशोक कुमार मैन्दोला ने बताया कि विभागीय परिषद के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता, प्रदूषण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, उत्तराखंड राज्य के विकास में प्राकृतिक संसाधनों का महत्व एवं भूमिका विषय पर निबंध प्रतियोगिता, जलवायु परिवर्तन विषय पर व्याख्यान, आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन G 20 की थीम वसुदेव कुटुंबकम के अंतर्गत कराया जाएगा।

जिसमें सफल प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एन के जोशी एवं विश्वविद्यालय परिसर के प्राचार्य प्रो महावीर सिंह रावत द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

देवभूमि अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डा.अनुज सिंह ने किया जुड़वा बच्चों का सफल इलाज

हरिद्वार। न्यू हरिद्वार स्थित देवभूमि अस्पताल में जुड़वा बच्चों का डेढ़ माह इलाज करने के बाद माता-पिता को स्वस्थ बच्चों को सुपुर्द किया गया। जुड़वा पैदा हुए बच्चों का वजन कम होने और सांस लेने की तकलीफ का सामना करना पड़ रहा था। बच्चों के माता-पिता आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण बच्चों का उपचार नहीं करा पा रहे थे। इसके बाद देवभूमि अस्पताल बच्चों की मदद के लिए आगे आया और आयुष्मान कार्ड के माध्यम से दोनों बच्चों का उपचार किया गया। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.अनुज सिंह ने बताया कि दोनों जुड़वा बच्चे बेहद ही कमजोर थे। बच्चों का बजन कम था और सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। डेढ़ माह उपचार के बाद दोनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। बच्चों की माता स्वाति और पिता अंकित चैहान ने डॉ.अनुज सिंह और अस्पताल प्रबंधन का आभार जताया। डॉ.सुशील शर्मा ने कहा कि देवभूमि अस्पताल में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए आयुष्मान योजना वरदान साबित हो रही है। जुड़वां बच्चों का इलाज बाल रोग चिकित्सक डॉ.अनुज सिंह ने बेहतर तरीके से किया। जिससे दोनों बच्चों पूरी तरह सुरक्षित हैं। मीनाक्षी, जेतली, पूनम शर्मा, अंजलि, प्रतिमा आदि स्टाफ ने बच्चों के स्वस्थ होने पर प्रसन्नता जताई।

आधा किलो अवैध चरस के साथ एक अभियुक्त आया गिरफ्त में

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

बुग्गावाला,(हरिद्वार)। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान 2025 के तहत जनपद हरिद्वार को नशा मुक्त करने व अवैध शराब/स्मैक/चरस आदि तस्करों के विरूद्ध हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना बुग्गावाला पुलिस द्वारा आज दिनांक 22.05.2023 को अभि0 विश्वास को अमानतगढ से आधा किलो चरस के साथ पकड़ा गया।

जिसके विरूद्ध थाना बुग्गावाला में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त

- विश्वास पुत्र बृजेश कुमार निवासी अमानतगढ़ गांव थाना बुग्गावाला हरिद्वार

बरामदगी

- 520 ग्राम अवैध चरस

पुलिस टीम

- SO अनिल चौहान
- चौकी प्रभारी अमानतगढ़ समीप पांडे
- C. भागचंद
- C.विनय थपलियाल
- C.मोहित खंतवाल

कांग्रेसियों ने पुण्यतिथि पर किया राजीव गांधी को याद

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

बहादराबाद। बहादराबाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को 32वीं पुण्यतिथि पर याद कर उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कस्बा बहादराबाद में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर अपने नेता स्वर्गीय राजीव गांधी को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान युवा नेता लक्ष्य चौहान ने कहा कि भारत में कंप्यूटर और संचार क्रांति का श्रेय भी स्व. राजीव गांधी जी को ही जाता है। इस मौके पर लक्ष्य चौहान, विपिन चौहान, टायसन चौहान, नरेंद्र शर्मा, विकास शर्मा, अमित कुमार, राजू यादव, सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

7 जून मेरठ के ऐतिहासिक नौचंदी मेले में दिखेगी उत्तराखंड की झलक

शाम 9:00 से 11:00 बजे तक होगा उत्तराखंड का सांस्कृतिक कार्यक्रम

मेरठ। उत्तराखंड संस्कृति व परंपरा को नई पीढ़ी से रूबरू कराने के लिए मेरठ के ऐतिहासिक नौचंदी मेले के पटेल मंडप में इस बार गढ़वाल सभा का सांस्कृतिक कार्यक्रम 7 जून रात 9:00 से 11:00 तक आयोजित किया जाएगा। आज दोपहर गढ़वाल सभा के वरिष्ठ साथियों को अपर नगर आयुक्त के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का लेटर प्राप्त हो गया है जिसमें कार्यक्रम की तिथि व समय को निश्चित कर दिया गया है । आज नगर आयुक्त से मिलने वालों में गढ़वाल सभा के महामंत्री विजेंद्र ध्यानी उपाध्यक्ष वीर सिंह रावत डॉ.आलम सिंह पवार, सतीश नेगी आदि मौजूद रहे।

हिमाचल में मनाली-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग 3 पर आवाजाही शुरू

शिमला (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश में जिला कुल्लू में मनाली-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग तीन पर ऑड और ईवन के तहत वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है।

सोमवार से मनाली की तरफ से लेह के लिए ईवन तिथि के तहत वाहनों को भेजा गया। इसमें ट्रक के साथ कई सैलानियों के वाहन भी शामिल हैं। पहले दिन ऑड-ईवन फार्मूले में 407 गाड़ियां मनाली की तरफ से लेह के लिए रवाना हुई हैं। लेह की तरफ से सरचू में रुके करीब 50 गाड़ियों को भी मनाली के लिए भेजा गया है।

मंगलवार को ऑड तिथि में लेह से वाहनों को मनाली के लिए भेजा जाएगा। लाहौल के दारचा से आगे मनाली-लेह मार्ग बर्फ से लकदक है और सड़क कई जगह पर वनवे ही है। हालांकि, सीमा सड़क संगठन 427 किलोमीटर लंबे मार्ग को सरचू तक सड़क के बर्फ को हटाकर डबललेन करने में जुटे हैं। मनाली-लेह मार्ग ऑड और ईवन तिथि के अनुसार शुरू किया फार्मूला 31 मई तक रहेगा। तब तक बीआरओ पूरे मार्ग को डबललेन कर देगा। बर्फ से ढके मनाली-लेह मार्ग पर सुहाने सफर का सैलानियों ने खूब आनंद लिया है।

लाहौल-स्पीति प्रशासन ने मनाली लेह मार्ग पर यातायात के लिए समय में भी बदलाव किया है। बारालाचा से आगे सड़क के तंग और फिसलन होने के कारण प्रशासन ने ऑड-ईवन सिस्टम को शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक मयंक चौधरी ने कहा कि मनाली-लेह मार्ग पर ऑड-ईवन के अंतर्गत वाहनों की आवाजाही आज से शुरू हो गई है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com